Roll No. ..... Total Pages : 5

GSE/M-20 **1407**

HINDI (Elective)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय,
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।
कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर,
ना काहू से दोस्ती, न काहू से बैर।

(ख) अबिगत-गति कछु कहत न आवै।
ज्यौं गूँगै मीठे फल कौ रस अंतरगत हीं भावै।
परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावै।
मन-बानी कौं अगम अगोचर, सो जानै जो पावै।
रूप-रेख-गुन-जाति जुगति-बिनु निरालंब कित धावै।
सब विधि अगम बिचारहिं तातैं सूर सगुन-पद गावै।।

(ग) तो सांवरे रंग राची।
साजि सिंगार बांधि पग घुंघरू, लोक-लाज ताजि नाची।।
गई कुमति, लई साधुकी संगति, भगत, रूप भै सांची।
गाय गाय हरिके गुण निस दिन, कालब्यालसूँ बांची।।
उण बिन सब जग खारो लागत, और बात सब कांची।
मीरा श्रीगिरधरन लालसूँ, भगति रसीली जांची।।

(घ) कनक कनक ते सौं गुनी मादकता अधिकाय।
इहिं खाएं बौराय नर, इहिं पाएं बौराय।।
मेरी भाव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जां तन की झांई परै, स्यामु हरित-दुति होइ।। (4×2=8)

2. दो प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(क) कबीरदास की प्रासंगिकता।

(ख) सूरदास का वात्सल्य वर्णन। (8×1=8)

3. आलोचनात्मक चार लघुतरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर 200 शब्दों में दें :

(क) कबीर की भाषा।

(ख) जायसी की विरह वेदना।

(ग) सूरदास का लीला चित्रण।

(घ) मीराबाई की प्रेम साधना। (3×2=6)

4. चार अवतरणों में किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) जब से ब्रह्मा ने सृष्टि रची, तब से आज तक कभी बारातियों को कोई प्रसन्न नहीं रख सकता। उन्हें दोष निकालने और निन्दा करने का कोई-न-कोई अवसर मिल ही जाता है। जिसे अपने घर सूखी रोटियां भी मयस्सर नहीं वह भी बारात में जाकर तानाशाह बन बैठता है। तेल खुशबूदार नहीं, साबुन टके सेर का जाने कहाँ से बटोर लाये, कहार बात नहीं सुनते, लालटेनें धुआं देती हैं, कुर्सियों में खटमल हैं, चारपाइयां ढीली हैं, जनवासे की जगह हवादार नहीं।

(ख) हाँ, बैण्ड से भी अच्छे, हजार गुने अच्छे लाख गुने अच्छे। तुम जानो क्या एक बैण्ड सुन लिया, तो समझने लगीं कि उससे अच्छे बाजे नहीं होते। बाजे बजाने वाले लाल-लाल वर्दियां और काली-काली टोपियां पहने होंगे। ऐसे खूबसूरत मालूम होंगे कि तुमसे क्या कहूं आतिशबाजियां भी होंगी, हवाइयां आसमान में उड़ जाएंगी और वहां तारों में लगेंगी तो लाल, पीले, हरे, नीले तारे टूट-टूटकर गिरेंगे। बड़ा मजा आयेगा।

(ग) तुमसे दुनिया की कोई भी बात कही जाती है तो जहर उगलने लगते हो। इसलिए न कि जानते हो, इसे कहीं टिकना नहीं है, मेरी ही रोटियों पर पड़ी हुई है या और कुछ! जहां कोई बात कही, बस सिर हो गये, मानों मैं घर की लौंडी हूँ, मेरा केवल रोटी और कपड़े का नाता है। जितना ही मैं दबती हूँ, तुम और भी दबाते हो। मुफ्तखोर माल उड़ायें, कोई मुंह न खोले, शराब-कबाब में रुपये लुटें, कोई जबान न हिलाये। वे सारे कांटे मेरे बच्चों ही के लिए तो बोये जा रहे हैं।

(घ) तो आप अपना घर संभालिये! ऐसे घर को मेरा दूर ही से सलाम है, जहां मेरी कोई पूछ नहीं घर में तुम्हारा जितना अधिकार है, उतना ही मेरा भी। इससे जौ भर भी कम नहीं। अगर तुम अपने मन के राजा हो, तो मैं भी अपने मन की रानी हूँ। तुम्हारा घर तुम्हें मुबारक रहे, मेरे लिए पेट की रोटियों की कमी नहीं है। तुम्हारे बच्चे हैं, मारो या जिलाओ। न आंखों से देखूंगी, न पीड़ा होगी। आंखे फूटीं, पीर गई।

(4×2=8)

5. **दो** प्रश्नों में से किन्हीं **एक** का उत्तर दें :

(क) निर्मला उपन्यास के नामकरण की सार्थकता।

(ख) निर्मला उपन्यास का प्रतिपाद्य। (8×1=8)

6. आलोचनात्मक **चार** लघुतरी प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर 200 शब्दों में दें।

(क) निर्मला उपन्यास के पुरुष पात्रों का चित्रण कीजिए।

(ख) निर्मला उपन्यास की भाषा एवं शैली पर प्रकाश डालें।

(ग) निर्मला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) प्रेमचन्द की रचनाओं पर प्रकाश डालें। (4×2=8)

7. किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(क) भक्तिकला का उद्‌भव और विकास।

(ख) सन्त काव्य की प्रवृतियां।

(ग) भक्तिकाल को स्वर्ण युग क्यों कहते हैं?

(घ) कृष्ण काव्य की प्रवृतियां। (9×2=18)

8. किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(क) अष्टछाप का महत्व।

(ख) कृष्ण की बाल लीलाएं।

(ग) निर्गुण परम्परा।

(घ) सूफी परम्परा। (4×2=8)

9. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर दें।

(क) कबीर का जन्म कहां हुआ?

(ख) रामचरितमानस की रचना किस भक्त कवि ने की थी?

(ग) सूरदास के गुरु कौन थे।

(घ) प्रेम की पीड़ा की कवयित्री किसे कहा जाता है।

(ङ) निर्मला उपन्यास कब प्रकाशित हुआ।

(च) मुंशी प्रेमचन्द का जन्म कब हुआ।

(छ) अष्टछाप की स्थापना किसने की।

(ज) सूफी परम्परा के प्रतिनिधि कवि का नाम बताएं। (1×8=8)